भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 3532

उत्तर देने की तारीख : 8 अगस्त, 2022

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन

3532. डॉ. डी. एन. वी. सेंथिलकुमार एस. :

श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले :

डॉ. सुभाष रामराव भामरे :

डॉ. अनमोल रामसिंह कोल्हे :

श्री कुलदीप राय शर्मा :

क्या **संस्कृति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन (एन.एम.एम.) की स्थापना की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके तत्संबंधी लक्ष्य और उद्देश्य क्या हैं;

(ख) क्या एन.एम.एम. उस उद्देश्य को प्राप्त करने में सफल रहा है जिसके लिए इसकी स्थापना की गई थी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान एन.एम.एम. के लिए कुल कितनी राशि जारी की गई और उस पर वास्तव में कितनी राशि व्यय की गई;

(घ) क्या सिद्ध और आयुर्वेदिक औषधियों की प्रथा वाली मूल्यवान पांडुलिपियों का दस्तावेज तैयार किया गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान कितने दुर्लभ अभिलेखों, दस्तावेजों और अन्य पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया गया है?

उत्तर

(जी. किशन रेड्डी)

संस्कृति, पर्यटन एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री

(क) और (ख) : जी, हां। राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन (एनएमएम) का मुख्य उद्देश्य इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) में डिजिटल पांडुलिपि पुस्तकालय का सर्वेक्षण, प्रलेखन, संरक्षण, परिरक्षण, प्रकाशन, डिजिटीकरण और स्थापना करना है। संस्कृति मंत्रालय के दिनांक 08.04.2021 के पत्र संख्या अकादेमी 25/4/2019-

अकादेमी/194 द्वारा इस मिशन का विलय आईजीएनसीए में कर दिया गया है और तत्पश्चात व्यय आईजीएनसीए की सामान्य निधि के अंतर्गत किया जा रहा है। अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए एनएमएम द्वारा नियमित रूप से विभिन्न कार्यकलाप, जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाएं, संगोष्ठियां आदि आयोजित किए जाते हैं।

एनएमएम की मुख्य उपलब्धियां निम्नानुसार हैं :

1. पांडुलिपियों का प्रलेखन : 44,44,636
2. पांडुलिपियों का संरक्षण : 8.9 करोड़ फोलियो
3. पांडुलिपियों का डिजिटकरण : 343.54 लाख पृष्ठ
4. दुर्लभ पांडुलिपियों का प्रकाशन : 110
5. सूचना पत्र "कृति रक्षण' का प्रकाशन : 75
6. मंगोलियाई कंजूर का पुनर्मुद्रण : 108 खंड
7. पांडुलिपिशास्त्र और पुरालेखविद्या पर कार्यशाला : 103
8. संरक्षण कार्यशाला : 258
9. संगोष्ठी : 76
10. तत्वबोध व्याख्यान का आयोजन : 128

(ग) और (घ) : विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान एनएमएम को सरकार द्वारा जारी की गई कुल राशि से संबंधित विवरण अनुलग्नक-I पर दिए गए हैं। अब तक निम्नलिखित प्रलेखन कार्य पूरे गिए हैं :

1. सिद्ध पांडुलिपियां : 1050
2. आयुर्वेदिक दवाओं से संबंधित पांडुलिपियां : 139774

(ड.) : अब तक एनएम ने 45 लाख पांडुलिपि डाटा प्रलेखित किया है जिसमें सिद्ध और आयुर्वेदिक पांडुलिपियां भी शामिल हैं।

विगत तीन वर्षों के दौरान डिजिटीकृत किए गए संस्थानों की सूची :-

1. बंगीय साहित्य परिषद, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
2. द्वारकाधीष संस्कृति अकादेमी, द्वारका, गुजरात
3. चुन्नीलाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडोलॉजी, गुजरात
4. कविकुलगुरु कालिदास विश्वविद्यालय, रामटेक, महाराष्ट्र
5. नक्षत्र वेदशाला, देवप्रयाग, उत्तराखंड
6. माधवराव सप्रू संग्रहालय, भोपाल, मध्य प्रदेश
7. संस्कृत साहित्य परिषद, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
8. नाशिका प्राइवेट कलेक्शन, महाराष्ट्र
9. भादुड़ी कलेक्शन, रामनगर, उत्तर प्रदेश

अनुलग्नक-I

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन के संबंध में दिनांक 8 अगस्त, 2022 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3532 के भाग (ग) और (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

सरकार द्वारा एनएमएम हेतु जारी राशि का विवरण

वित्तीय वर्ष	खर्च न की गई अग्रेनीत शेष राशि	प्राप्त अनुदान	कुल राशि	व्यय
2019-20	438.33	333.33	771.66	632.62
2020-21	191.03	368.30	559.33	463.72
2021-22	*	200.00 (थाइलैंड और वियतनाम के लिए) कार्यान्वयन कार्य प्रगति पर है।		536.79

* संस्कृति मंत्रालय के दिनांक 08.04.2021 के पत्र संख्या अकादेमी 25/4/2019-अकादेमी/194 द्वारा इस मिशन का विलय आईजीएनसीए में कर दिया गया है और तत्पश्चात व्यय आईजीएनसीए की सामान्य निधि के अंतर्गत किया जा रहा है।